नवीन पाठ्यक्रम

Name : ....

Roll No. : ....

कुल प्रश्नों की संख्या : 14]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

O-212010–A

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 80

निर्देश : (*i*) **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपर्वक पढकर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

जल ही जीवन है। सष्टि का आरंभ जल से ही है। संसार के सभी प्राणियों के लिए जल आवश्यक है। जन्म से मृत्यु तक मानव के जीवन के सभी दैनिक क्रियाओं, संस्कारों और कर्मकांडों में जल का विशेष महत्व है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में जल प्रदायनी नदियों को मातृ-स्वरूप पूजा जाता है। इन मातृ-स्वरूपा नदियों गंगा, यमुना, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी में विशेष अवसरों पर पवित्र स्नान का विशेष महत्व है। पंचतत्व-आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी में जल अपनी विशिष्टता को व्यक्त करता है। जल के बिना संसार में जीवन की कल्पना असंभव है।

मानव शरीर में 70% जल होता है। वैज्ञानिक दृष्टि से जल पशु, पक्षी, वनस्पति, मानव सभी को स्वस्थ रखने के लिए विशेष भूमिका अदा करता है। रसायन शास्त्र के अनुसार जल के अणु का निर्माण दो (भाग) परमाणु हाइड्रोजन गैस में एक (भाग) परमाणु ऑक्सीजन गैस के संयोग से होता है। अतः हमारे वातावरण में पर्याप्त मात्रा में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस का होना भी आवश्यक है। इसके लिए वातावरण में अन्य गैसों का संतुलन और पर्यावरण को हानिकारक जहरीली गैसों से शुद्ध रखना भी जरूरी है। साहित्य में भी कवियों ने जल के महत्व को बताते हुए कहा है कि -

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।

पानी गए न उबरें, मोती मानुष चून॥

उपरोक्त पंक्ति में भी न केवल मनुष्य बल्कि मोती व चूर्ण (आटा)/ चूना को भी अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए जल आवश्यक है। अर्थात् 'सम्मान' के पर्याय के रूप में जल का महत्व है। जल की महत्ता को पहचानते हुए स्वयं प्रकृति ने जल-चक्र तैयार किया, जिसमें प्रकृति के पर्वत, पहाड़, नदियाँ, बादल, सागर, वृक्ष, सूर्य सभी सहयोगी बनकर इस जल-चक्र को संचालित करते हैं। जिससे संसार में जल की मात्रा का संतुलन बना रहे । औद्योगिकीकरण के कारण जल के प्रदूषित होने का क्रम आरंभ हुआ। अत: जल को वैज्ञानिक तकनीकी और मानव विवेक से प्रदूषित होने से बचाना वक्त की माँग है। अन्यथा जल नहीं तो कल नहीं, जल नहीं तो हम नहीं, जल नहीं तो जीवन नहीं। जल बिना जग सूना।

(i) भारतीय संस्कृति में नदियों को मातृस्वरूप पूजने का क्या कारण है?

(ii) विज्ञान के अनुसार जल का निर्माण किस प्रकार होता है ?

(ii) साहित्य में जल की महत्ता को किस प्रकार प्रमाणित किया गया है?

(iv) जल-चक्र किनके सहयोग से संचालित होता है ?

(v) जल के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(vi) पर्यावरण को शुद्ध रखना क्यों आवश्यक है?

(vii) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

इतना कुछ है भरा वैभव का कोष प्रकृति के भीतर,

निज इच्छित सुख-भोग सहज ही पा सकते नारी-नर।
सब हो सकते तुष्ट, एक सा सब सुख पा सकते हैं,
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं।
छिपा दिए सब तत्व आवरण के नीचे ईश्वर ने,
संघर्षों से खोज निकाला उन्हें उद्यमी नर ने।
ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने भुजबल से ही पाया है।
प्रकृति नहीं डर कर झुकती है कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती है वह मनुष्य के उद्यम से श्रम-जल से।
भाग्यवाद आवरण पाप का और अस्त्र शोषण का,
जिससे रखता दबा एक जन भाग दूसरे जन का।
एक मनुज संचित करता है अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है वह श्रम, वह भुजबल है,
जिसके सम्मुख झुकी हुई पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।

(i) ईश्वर के द्वारा प्रकृति के भीतर छिपाया खजाना क्या है ?

(ii) कवि के अनुसार उसका भाग्य क्या है, और शक्ति क्या है?

(iii) भाग्यवाद और शोषण किसका प्रतीक है?

(iv) अपना सुख उसने अपने भुजबल से ही पाया है। का आशय स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए :

(अ) ऑनलाइन शिक्षा : वर्तमान परिपेक्ष्य में

(ब) पर्यावरण प्रदूषण

(स) जहाँ चाह वहाँ राह

(द) वैश्विक महामारी: कोरोना वायरस

प्रश्न-4 डाक वितरण की अनियमितता के कारण आपको जो हानि हुई उसके सम्बन्ध में अधीक्षक, डाकतार विभाग को एक शिकायती पत्र लिखिए।

अथवा

अपने प्राचार्य को एक पत्र लिखिए, जिसमें आपके सहपाठी अशोक चौधरी द्वारा लॉकडाउन की अवधि में प्रशंसनीय कार्य के लिए उन्हें सम्मानित करने का अनुरोध किया गया हो।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(अ) एडवोकेसी पत्रकारिता क्या है ?

(ब) हिन्दी वेब जगत में कौन-कौन सी पत्रिकाएँ चलन में हैं ?

(स) रेडियो द्वारा प्रसारित समाचार के प्रमुख भाग लिखिए (कोई दो)।

(द) कार्टून कोना किसी भी समाचार-पत्र को किस प्रकार प्रभावशाली बनाता है ?

प्रश्न-6. कहानी के तत्वों के केवल नाम लिखिए।

अथवा

अधूरी कहानी को पूर्ण कर लिखिए :

एक साधु नदी में स्नान कर रहा था, नदी में एक अधमरा हिरण बहता जा रहा था, साधु ने देखा, उसके मन में दया आ गई. उसने उसे पानी से बाहर निकाला, उस हिरण का साधु अपनी कुटिया में लाया, सेवा-सुश्रुषा की...... |

प्रश्न-7 शहरों में पेयजल समस्या विषय पर एक फीचर लिखिए।

अथवा

समाचार-माध्यमों में कार्य करने वाले पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ? संक्षेप में समझाकर लिखिए।

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :

सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादों गया सबेरा हुआ खरगोश की आँखों जैसा लाल सबेरा शरद आया पुलों को पार करते हुए अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से चमकीले इशारों से बुलाते हुए।

(क) शरद ऋतु का प्रात:काल कैसा होता है ?

(ख) उपर्युक्त काव्यांश के शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

(ग) कवि के अनुसार 'शरद' कहाँ और किस प्रकार पहुँचा?

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

नभ में पाँती-बंधे बगुलों के पंख,

चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें।

कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,

तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।

(क) पाँती बँधे बगुलों का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) बगुलों के पंख के शिल्प पक्ष का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-10 (क) दिन जल्दी-जल्दी ढलता है कविता में बच्चों की प्रत्याशा को कवि ने किस प्रकार प्रस्तुत किया है?

(ख) कवितावली में उद्धृत छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है।

प्रश्न-11 अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

सफ़िया ने हैंडबैग मेज़ पर रख दिया और नमक की पुड़िया निकालकर उनके सामने रख दी और फिर आहिस्ता-आहिस्ता रुक-रुक कर उनको सब कुछ बता दिया।

उन्होंने पुड़िया को धीरे से अपनी तरफ़ सरकाना शुरू किया। जब सफ़िया की बात खत्म हो गई तब उन्होंने पुड़िया को दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और खुद सफ़िया के बैग में रख दिया। बैग सफ़िया को देते हुए बोले, मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।

वह चलने लगी तो वे भी खड़े हो गए और कहने लगे, जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन खातून को यह नमक देते वक्त मेरी तरफ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ्ता रफ्ता ठीक हो जाएगा।

(क) कहानी में नमक की पुड़िया इतनी महत्वपूर्ण क्यों हो गई है?

(ख) सफ़िया ने कस्टम अफसर को इस पुड़िया के बारे में क्या बताया होगा?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुजर जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) लोगों ने लड़कों की टोली को क्या नाम दिया? काले मेघ पानी दे पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ख) बाबा साहेब भीमराव अम्बेदकर के अनुसार जाति प्रथा को स्वाभाविक श्रम विभाजन क्यों नहीं माना जा सकता?

(ग) आदर्श निबंध की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।

(घ) इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय बोलती है के संदर्भ में गंगा नदी का सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में कोई तीन महत्व लिखिए।

प्रश्न-13 यशोधर बाबू के विचार पूरी तरह से पुराने हैं और वे सहानुभूति के पात्र नहीं हैं। इस कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए।

अथवा

यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बावू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों? कोई चार कारण लिखिए।

प्रश्न-14 (क) पुरातत्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि- सिन्धु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी। कोई चार कारण लिखिए।

अथवा

स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ? जूझ कहानी के आधार पर लिखिए।

(ख) टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज होते हैं। इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

जूझ कहानी आधुनिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है ? लिखिए।